मिशन शिक्षण संवाद

भारत की प्रमुख क्रान्तियाँ

: संकलन :

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

हरित क्रान्ति 01

हरित क्रान्ति से देश में,
कृषि पर पड़ा प्रकाश।
नवीनतम उपकरण कृषि के,
मशीनों का हुआ विकास।।

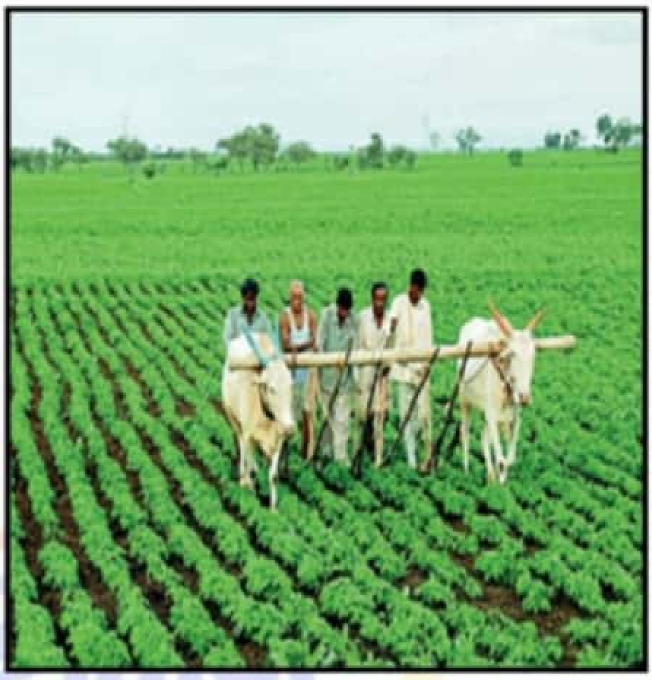

सिंचाई के आधुनिक उपकरण,
साथ में कृत्रिम खाद।
विकसित कीटनाशक,
बीजों का हुआ उत्पाद।।

नॉरमन बोरलॉग हरित क्रान्ति के,
प्रवर्तक माने जाते हैं।
पर भारत में इसको लाने का,
श्रेय श्री सुब्रमण्यम जी पाते हैं।।

सन् 1967- 68 में इसकी,
भारत में हुई शुरुआत।
गेहूँ, चावल और ज्वार में,
दो से तीन गुना की बड़ी सौगात।।

रचनाकार -
हेमलता गुप्ता (स. अ.)
प्रा. वि. मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

गुलाबी क्रान्ति 02

गुलाबी क्रांति हुई भारत में,
झींगा का उत्पादन बढ़ गया।
गुलाबी क्रांति हुई भारत में,
प्याज का उत्पादन बढ़ गया।।

मांस एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण,
झींगा का भी यह प्रकरण।
मांस बढ़ने से बढ़ेगा का निर्यात,
विदेशी मुद्रा बढ़ाने की होगी बात।।

झींगा के सेवन से,
मोटापा दूर हो जाये।
आँख भी रहें स्वस्थ,
हड्डी मजबूत हो जाये।।

मांस उद्योग रोजगार उपलब्ध कराता,
कौशल सीखकर आदमी धन कमाता।
2022 तक होगी किसानों की आय दुगनी,
गुलाबी क्रांति हमें पूर्ण रूप से है करनी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचनाकार-
सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

Scanned with Can

प्रमुख क्रान्तियाँ

श्वेत क्रान्ति

03

स्वतन्त्रता के बाद 1970 में,
भारत में श्वेत क्रान्ति शुरू हुई।
यह योजना दुग्ध कृषि डेरी,
उद्योग से थी जुड़ी हुई।।

डॉ० वर्गीज कुरियन ने,
श्वेत क्रान्ति को प्रारम्भ किया।
राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने,
ऑपरेशन फ्लड नाम दिया।।

यह पशुपालन और कृषि से,
जुड़ा हुआ उद्योग था।
दूध का उत्पादन बढ़ाना,
इसका मुख्य उद्देश्य था।।

दूध का उत्पादन बढ़ने से,
आर्थिक विकास खूब हुआ।
भारत दुनिया का सबसे बड़ा,
दुग्ध उत्पादक देश हुआ।।

रचनाकार-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर (चित्रकूट)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

नीली क्रान्ति 04

मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए,
मछली उत्पादन में तेजी से वृद्धि के लिए।
नई-नई तकनीकों को अपनाने के लिए,
हुई एक क्रान्ति जिसे कहते नीली क्रान्ति।।

1960 के मध्य दशक में हुआ तीव्र विकास,
मत्स्य पालन उद्योग का हुआ चरम विकास।
समुद्री जीवों की सुरक्षा के खातिर,
आया बदलाव नीली क्रान्ति को अपनाकर।।

सातवीं पंचवर्षीय योजना से भारत में,
मत्स्य पालन की शुरुआत हुई एक क्रान्ति से।
1990 में भारत में कार्यान्वित हुई,
फिश फार्मर्स डेवलपमेंट एजेंसी निर्मित हुई।।

नीली क्रान्ति योजना के तहत वर्ष 2022 तक,
उत्पादन मछली का पहुँचाना 15 मिलियन टन तक।
आय बढ़ा सकता है कोई इस योजना को अपनाकर,
मत्स्य, बीज उत्पादन, मछुआरा बीमा को शामिल कर।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचनाकार-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट वि० अमौली
अमौली (फतेहपुर)

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

रजत क्रान्ति

05

भारत को आत्मनिर्भर बनाना है,
किसानों की आय को दोगुना बढ़ाना है।।
बच्चों हरित क्रान्ति से लेकर अनेक क्रान्तियाँ आयी,
उनमे से एक है रजत क्रान्ति।।

रजत क्रान्ति में हम हैं अण्डे व मुर्गी उपजाते,
किसानों को खाली समय का व्यापार बतलाते।।
इन्दिरा जी ने बतलाया था हमें यह मंत्र,
बच्चों लगता है न रोचक सबको यह मंत्र।।

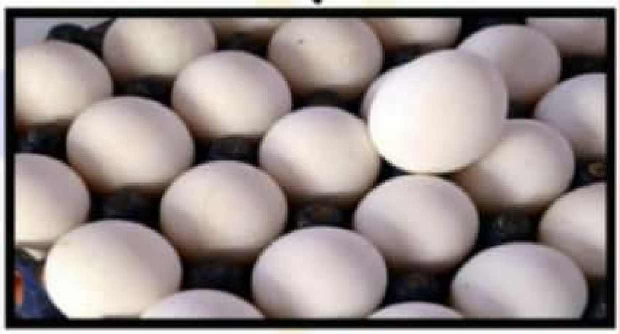

अण्डे हमें प्रोटीन प्रदान करवाते,
बच्चों की यह वृद्धि बढ़ाते।।
गाँव में रह कर अच्छा व्यापार दिलाते,
हम सबको आत्मनिर्भर बनाते।।

बच्चों आज हम जन-जागरूकता फैलाएंगे,
सबको क्रान्तियों का मतलब समझाएंगे।
करेंगे विश्व में भारत का झण्डा ऊँचा,
सबको आत्मनिर्भर बनकर दिखलाएंगे।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचनाकार -
अंजली मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि० असनी- 1
भिटौरा (फतेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

पीली क्रान्ति

06

आत्म निर्भर बने भारत,
पीली क्रान्ति में मिलता है।
तिलहन उत्पादन से,
सम्बन्ध यह रखता है।।

1986 में इस मिशन का,
आरम्भ मिलता है।
खाद्य तेलों, तिलहन फसलों को,
बढ़ावा ये देता है।।

चीन, पाक, इथोपिया विश्व में,
तिलहन उत्पादक कहलाता है।
इस क्रान्ति के माध्यम से,
भारत भी छठवें स्थान पर आता है।।

23 राज्यों के 337 जिले मिल,
इस क्रान्ति को आगे बढ़ाते हैं।
जिसकी बदौलत विश्व में अपने देश,
भारत का गौरव बढ़ाते हैं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचनाकार-
हेमलता यादव (स०अ०)
प्रा० वि० बेती सादात
भिटौरा (फतेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

सदाबहार क्रान्ति 07

हरी है, नीली, लाल है, पीली,
धूसर, रजत, सुनहरी।
श्वेत, गुलाबी, रजत क्रान्तियाँ,
जिनकी अमिट छाप है गहरी।।

हरित क्रान्ति ने जनजीवन बदला,
खेतों और खलिहानों से।
दूजी सदाबहार क्रान्ति है,
पोषण और खाद्यान्नों से।।

खाद्य सुरक्षा, पोषण रक्षा,
बने कृषि का ये आधार।
सदाबहार क्रान्ति है यह,
एम० एस० स्वामी जी का उत्तम विचार।।

किसानों की आय दोगुनी होगी,
होगा उनका पूरा विकास।
सदाबहार क्रान्ति का उद्देश्य,
है देश में कृषि का समग्र विकास।।

रचनाकार-
आसिया फ़ारूक़ी (प्र० अ०)
प्रा० वि० अस्ती
नगर क्षेत्र (फ़तेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

सुनहरी क्रान्ति

08

राष्ट्रीय बागवानी मिशन द्वारा,
आई सुनहरी क्रान्ति है।
बागवानी, फल, फूल, सब्जी उत्पादन,
शहद वृद्धि को यह क्रान्ति है।।

खाद्य पोषण व आजीविका बढ़ाने,
स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान है।
सुनहरी क्रान्ति के जनक निरपख तुतेज,
उदय काल 1991 से 2003 है।।

आजादी के बाद बागवानी बढ़ी 65% है,
जो 6.3 से 74.8 मिलियन हेक्टेयर है।
फल उत्पादन में भारत ने,
पाया दूसरा स्थान है।।

आँवला, आम, केला, पपीता
अनार, चीकू पाया पहला स्थान है।
मसाला उत्पादन व निर्यात में,
विश्व में प्रथम भारत का स्थान है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचनाकार-
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी मनौटी
खजुहा (फतेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

इंद्रधनुषी क्रान्ति 09

इंद्रधनुष के रंगों जैसे, यह क्रान्ति सभी का योग,
कृषि के संग में पशुपालन का, यह उत्तम संयोग।
अनुसंधानों से जुड़ना कृषि का, बेहतर है प्रयोग,
पूंजी निवेश से कृषि क्षेत्र के, बढ़ने लगे उपयोग।।

कृषि नीति के द्वितीय चरण, नाम से है विख्यात,
शिक्षा में भी कृषि-शिक्षा, होने लगी प्रख्यात।
नई खोज और नई नीतियां, इससे हुई हैं व्याप्त,
कृषि और पशुपालन की कई, दुविधा हुई समाप्त।।

नीली, हरी, पीली, गुलाबी, श्वेत, भूरी और अनेक,
सभी का इसमें मेल हुआ, उद्देश्य सभी का एक।
विविध लक्ष्य को लिए स्वयं में, बढ़े सार्थकता की ओर,
कृषि क्षेत्र को व्यापक कर के, दिया कई मार्गों को खोल।।

उत्पादकता बढ़ेगी इससे, कृषिआय में होगा सुधार,
उन्नत क़िस्म की बीजों से, मिटेगा कृषि का विकार।
कृषि प्रधान है देश हमारा, संकल्प होगा साकार,
अर्थव्यवस्था की मजबूती को, होगा देश तैयार।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचनाकार-
दीक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि असनी द्वितीय
भिटौरा (फतेहपुर)

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

बादामी क्रान्ति 10

भारत को आत्मनिर्भर बनाने,
बादामी क्रान्ति आई थी।
खाने के मसालों में,
नई बहार लाई थी।।

कृषिप्रधान है देश हमारा,
विभिन्न मसाले पाए जाते।
हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा,
निर्यात में स्थान प्रथम पाते।।

क्रान्ति कुछ ऐसे आई थी,
उत्पादन वृद्धि कराई थी।
नई तकनीक प्रयोग से,
विकास में तेज़ी आई थी।।

विभिन्न प्रकार के मसालों को,
बहुपयोगी सिद्ध किया।
नव भारत निर्माण में इस,
क्रान्ति को महत्व दिया।।

रचनाकार-
आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

स्वर्ण क्रान्ति

11

किसानों के हित के लिए,
हुईं अनेक क्रान्ति।
उन्हीं में से एक है,
यह स्वर्ण क्रान्ति।।

राजस्थान में हुई,
दो दिवसीय सेमिनार।
जिसमें लिया अनेक,
किसानों ने भाग।।

स्वर्ण क्रान्ति के महत्व पर,
प्रकाश डाला गया।
और इसमें किसानों को,
यह बतलाया गया।।

फल और सब्जी के उत्पादन के साथ-साथ,
बढ़ाना होगा किसान को शहद का उत्पाद।
किसानों की आय बढ़ाने का हुआ यह प्रयास,
इसीलिए स्वर्ण क्रान्ति है बहुत ही खास।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचनाकार -
पूनम गुप्ता (स. अ.)
प्रा. वि. धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

भूरी क्रान्ति

12

देखो भारत में हुई अनेक क्रान्ति,
उसमें से सबसे महत्वपूर्ण है भूरी क्रान्ति।
इसका संबंध है उर्वरक से,
फसल बोते हैं किसान मेहनत से।।

आजादी के बाद देखो खाद्यान्न का संकट आया,
हरित क्रांति ने भारत को इस समस्या से बचाया।
समस्या हुई तब फिर हमने उर्वरक बनाया,
इन उर्वरक ने देखो फसलों के उत्पादन को बढ़ाया।

नाइट्रोजन युक्त उर्वरक में भारत का तीसरा स्थान है,
खाद्यान्न पर अब आत्मनिर्भर मेरा भारत महान है।
रसायनिक खादों का उपयोग पंजाब में सर्वाधिक है,
गेहूं चावल लहराते पूरे देश में खेत देखो रमणीक है।

रचनाकार -
आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय सिकंदरपुर
सुरसा, हरदोई

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

काली क्रान्ति 13

देखो क्रान्ति है कैसी आई,
उत्पाद अनेक साथ जो लाई।
उत्पादन कोयले का बढ़ाती,
कहते इसको काली क्रान्ति।।

ब्लैक रिवोल्यूशन भी नाम एक,
उत्पादन शामिल इसमें अनेक।
पेट्रोल, एथेनॉल, कोयला,
पेट्रोलियम और खनिज तेल।।

काली क्रान्ति, नाम है क्यों,
क्रूड ऑयल काला है जो।
ब्लैक गोल्ड भी कहते इसको,
सोने सा कीमती है मोल।।

पेट्रोल संग 10% एथनोल,
बायो डीजल बनाना है।
इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु,
काली क्रान्ति चलाना है।।

रचनाकार-
आस्था शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० इस्लामनगर
मुरादाबाद ग्रामीण (मुरादाबाद)

Scanned with Ca

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

गोल क्रान्ति

14

सोलवीं सदी में पुर्तगाल से आया आलू,
तभी भारत में गोल क्रान्ति लाया आलू।
सुब्रमण्यम को गोल क्रान्ति का जनक है माना,
गोल क्रान्ति ने आलू को सब्जियों का राजा जाना।।

आलू ने सब्जियों का है स्वाद बढ़ाया,
गोल क्रान्ति के कारण ही आलू ने है नाम कमाया।
बिन आलू के ना होए गुजारा,
आलू के बिन सब सब्जी हैं आवारा।।

बूढ़े, बच्चे सभी जवान,
आलू को कहते हैं अपनी जान।
सबके मन को भाए आलू,
गोल क्रान्ति के प्यारे आलू।।

रचनाकार-
शशिवाला अग्निहोत्री (स०अ०)
यू० पी० एस० अमेठी जदीद
बढपुर, फर्रूखाबाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

कृष्ण क्रान्ति 15

इस नवयुग के निर्माण में,
भारत का मान बढ़ाना है।
भारत का मान बढ़ाने को,
काली क्रान्ति को लाना है।।

छुक-छुक करती रेल गाडियाँ,
इसके बिना अधूरी हैं।
कल-कल करते कलपुर्जे,
मानो सोए से रहते हैं।।

सूनी-सूनी सी सड़कें अब,
हर समय चहलकदमी करतीं।
मानो यह रुकने का नाम न लेतीं,
इसके बिना अधूरे हैं।।

साधारण मानव हो चाहें,
किसान और मिस्टर भाई,
भागदौड़ के जीवन ने,
कृष्ण क्रान्ति की महत्ता बतलाई।।

रचनाकार-
प्रवीणा दुबे (प्र०अ०)
वि० मिल्क मौज मुल्लाह
शमसाबाद (फर्रुखाबाद)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

मूक क्रान्ति

16

आओ जानें मूक क्रान्ति,
जिसको यजुर्वेद में भी जाना।
रागी, बाजरा, मक्का, ज्वार,
पोषक तत्वों का है इनमे भण्डार।

दुनिया में कहलाता भारत,
मूक क्रान्ति का जो दाता।
अर्थव्यवस्था मजबूत है करता,
कम पानी में भी है उगता।।

मोटे अनाजों में है पौष्टिकता की भरमार,
कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट और केरोटीन।
देते है अपनी आँखों को सुरक्षा,
सेवन करने से होती शरीर की रक्षा।।

रचनाकार-
ऊषा सुख (शिक्षामित्र)
प्रा०वि० नहटोरा
डिलारी (मुरादाबाद)

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

धूसर क्रान्ति

17

कृषि विकास की गाथा में,
कितनी ही क्रान्तियाँ हैं आई।
तब भारत वर्ष की धरती ने,
खाद्यान्न की वर्षा है पाई।।

खाद्यान्न का संकट जब गहराया,
एक सघन अभियान था चलाया।
खेती में उर्वरक उपभोग बढ़ाया,
धूसर क्रान्ति यह कहलाया।।

रासायनिक उर्वरक जब बढ़ाया,
खेतों में अनाज तब लहराया।
तब जाकर भारत देश अपना,
खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बन पाया।।

हर घर में अनाज का भंडारण,
अर्थव्यवस्था का नया दौर आया।
खाद्यान्न उत्पादन में भारत ने अब,
विश्व में दूसरा स्थान है पाया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचनाकार-
अर्चना अरोड़ा (स०अ०)
कम्पोजिट वि० बरेठर खुर्द
खजुहा (फतेहपुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

गोल क्रान्ति 18

पेरू में है जन्मा आलू,
पुर्तगाल से आया आलू।
तने में है ये शामिल आलू,
सब्जी का है राजा आलू।।

सजग हुई जब गोल क्रान्ति,
प्रबल हुई तब फसल आलू की।
हुआ स्थापित शिमला में फिर,
केन्द्रीय आलू शोध संस्थान।

संस्थान के अथक प्रयास से,
कीट व्याधियाँ हो गई बाधित।
बढ़ गए आलू के भण्डारण।
नई प्रजातियाँ हो गई उन्नत।।

भारत मे फिर हो गया विकसित,
एक स्वतन्त्र उद्योग में आलू।
सम्प्रति आलू उत्पादन में,
देश को हासिल द्वितीय स्थान है।।

रचनाकार
अर्चना गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हाफिजपुर हरकरन
खजुहा (फतेहपुर)

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

प्रमुख क्रान्तियाँ

★★ रचनाकारों की सूची ★★

1. हेमलता गुप्ता
2. सुधांशु श्रीवास्तव
3. शहनाज़ बानो
4. प्रतिमा उमराव
5. अंजली मिश्रा
6. हेमलता यादव
7. आसिया फ़ारूक़ी
8. सुमन पांडेय
9. दीक्षा मिश्रा
10. आयुषी अग्रवाल
11. पूनम गुप्ता
12. आकांक्षा मिश्रा
13. आस्था शर्मा
14. शशिबाला अग्निहोत्री
15. प्रवीणा दुबे
16. ऊषा सुख
17. अर्चना अरोड़ा
18. अर्चना गुप्ता

★★ तकनीकी सहयोग ★★

1. नाज़िया परवीन, मुरादाबाद
2. नमिता राजपूत, मुरादाबाद

★★ मार्गदर्शन ★★

राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam